भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या - 993

(जिसका उत्तर शुक्रवार, 28 नवम्बर, 2014/7 अग्रहायण, 1936 (शक) को दिया गया)

<u>बाजार अनुसंधान तथा विश्लेषण एकक</u>

993. श्री अरविंद सावंत :

क्या **कारपोरेट कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) में एक बाजार अनुसंधान तथा विश्लेषण एकक (एमआरएयू) संचालित की जा रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या उद्देश्य हैं;

(ग) एमआरएयू द्वारा इसके प्रारंभ से अब तक गंभीर धोखाधड़ी के कितने मामले उजागर किए गए हैं;

(घ) दोषियों के विरूद्ध सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है; और

(ङ) उक्त एकक को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्री (श्री अरुण जेटली)

(क) और (ख) : गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) में वर्ष 2009 में निम्नलिखित कार्यों के लिए एक बाजार अनुसंधान एवं विश्लेषण एकक (एमआरएयू) की स्थापना की गई थी;

(i) सूचना का भंडारण

(ii) जांच कौशल में सुधार

(iii) सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय पद्धतियों को अपनाने के लिए जानकारी

(iv) अन्य जांच एजेंसियों के साथ समन्वय आदि।

(ग) और (घ): बाजार अनुसंधान और विश्लेषण एकक कंपनियों द्वारा वित्तीय घोटालों संबंधी मीडिया रिपोर्टों और गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय में प्राप्त शिकायतों का विश्लेषण करता है। यह विश्लेषात्मक सहायता उपलब्ध कराकर, पब्लिक डोमेन में सूचना को अद्यतन करके तथा विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों से सूचना प्राप्त करके शारधा रियल्टी और अन्यों जैसे चिट फंड मामलों की जांच कर रही एसएफआईओ की टीमों की सहायता भी करता है।

(ड.): उपयुक्त तकनीकी उपकरणों तथा कुशल तकनीकी कर्मचारियों के साथ इस एकक को सुदृढ़ किया गया है। आंकड़ा विश्लेषण क्षमताओं के संवर्धन के लिए एमआरएयू के पर्यवेक्षण के अधीन आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ एक फोरेंसिक प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है।

*****